# केड़ा है नुगरो रा रे सेलान धारू रे वीरा भजन लिरिक्स

केड़ा है नुगरो रा रे सेलान,
दोहा – नुगरा नर तो माति मिलो,
और पापी मिलो हजार,
संत मिला के जगत में,
वो जावे भाव सु पार।

---

केड़ा है नुगरो रा रे सेलान,
धारू रे वीरा,
केड़ा रे सेलाने हमी नुगरो ओलखो,
गुरु म्हारा जीवलो रे।bd।

---

लाम्बा है नुगरा ने वाला बाल,
बाई ये रूपा,
खड़ाऊ बान्धे नुगरो पोथियों,
गुरु म्हारा जीवलो,
नुगरो रे नितरा है अनोखा वेश,
बाई ये रूपा,
चालन्तो छाया नरखो आपरी,
गुरु म्हारा जीवलो रे।bd।

---

उभा है पिनघटये वाली पाल,
बाई ये रूपा,
नार पराई ओथो निरखे घणी,
गुरु म्हारा जीवलो,
बैठा है पंचो वालो बिच,
बाई ये रूपा,
सत री वातो एतो काटे घणी
गुरु म्हारा जीवलो रे।bd।

---

देवे है दुझा ने उपदेश,
बाई ये रूपा,
घट रे भीतर एतो खोजे नही,
गुरु म्हारा जीवलो,
शिमरू सायब वालो नाम,
बाई ये रूपा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सिवरे जनोरो सायबो भेलो रेवे
गुरु म्हारा जीवलो रे।bd।

केड़ा है नुगरो रा रे सेलान,
धारू रे वीरा,
केड़ा रे सेलाने हमी नुगरो ओलखो,
गुरु म्हारा जीवलो रे।bd।

**Singer : Kishore Paliwal**

भजन प्रेषक – श्रवण सिंह राजपुरोहित।
सम्पर्क – +91 90965 58244

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com